हरियाणा के
जिलों और प्रमुख शहरों के
उपनाम और प्राचीन नाम

हरियाणा एक प्राचीन नाम है । पुरानी समय में इस क्षेत्र को ब्रह्मवर्त, आर्यवर्त और ब्रहमोप्देस के नाम से जाना जाता था ।

ये नाम हरियाणा की भूमि पर ब्रह्मा-देवता के उद्भव पर आधारित हैं अर्थात आर्यों का निवास और वैदिक संस्कृतियों और अन्य संस्कारों के उपदेशों का घर। रोहतक जिले के बोहर गांव से मिले शिलालेख के अनुसार, इस क्षेत्र को हरियंक के नाम से जाना जाता था।

1) **पंचकुला** : पांच कुलों (कूपों/कुएं) के कारण इसका नाम पंचकुला पड़ा ।

2) अम्बाला :

आमों के अधिकता के कारण और माँ अम्बालिका के नाम के कारण इसका नाम अम्बाला पड़ा । इसको अम्बालिका,अम्बवाला, मिक्सी सिटी और विज्ञान नगरी भी कहते हैं ।

3) यमुनानगर :

यमुना के किनारे पर स्थित होने के कारण इसका नाम यमुनानगर पड़ा। इसे अब्दुलापुर, मछियारों का स्वर्ग और पेपर सिटी भी कहते हैं ।

4) कुरुक्षेत्र :

राजा कुरु के नाम के कारण इसका यह नाम पड़ा । इसका प्राचीन नाम शर्यणवत है । इसे धरम नगरी और सिटी ऑफ़ पार्कस भी कहते हैं ।

SUKRAJ CLASSES
A FLY TOWARDS SUCCESS

5) कैथल :

कपिल ऋषि के नाम पर और हनुमान की जन्म-स्थली होने के कारण यह नाम पड़ा|

इसके प्राचीन नाम कपिस्थल है| इसे कपिल मुनि की नगरी भी कहते है | नवग्रह कुण्ड के कारण इसे छोटी काशी भी कहा गया है

6) करनाल :

करनाल नाम पड़ा दानवीर कर्ण के नाम पर | इसे कर्णताल , धान (चावल) का कटोरा , शूज सिटी और कर्ण नगरी भी कहते हैं|

7) जींद :

जयंती देवी मंदिर के नाम पर यह नाम पड़ा | इसे जयन्तपुरी ,जयंती देवी का नगर और हार्ट ऑफ़ हरियाणा भी कहते हैं |

8) पानीपत :

पाणिनि ऋषि के नाम पर इसका नाम पानीपत रखा गया | इसे पनपथ और बुनकरों का शहर/नगर भी कहा जाता है|

9) सोनीपत :

श्रवण कुमार के नाम पर इसका नाम सोनीपत पड़ा | इसके अन्य नाम शोणप्रस्थ, सोने का शहर और एजुकेशन सिटी है |

10) रोहतक :

रोहतक नाम पड़ा तारावती रानी के पुत्र रोहितास के नाम पर | इसका प्राचीन नाम रोहितास है|

11) झज्जर :

यह नाम किसान छज्जू राम के नाम पर पड़ा | इसे छज्जू नगर और शहीदों का शहर भी कहते है|

SUKRAJ CLASSES
APPLY TOWARDS SUCCESS...

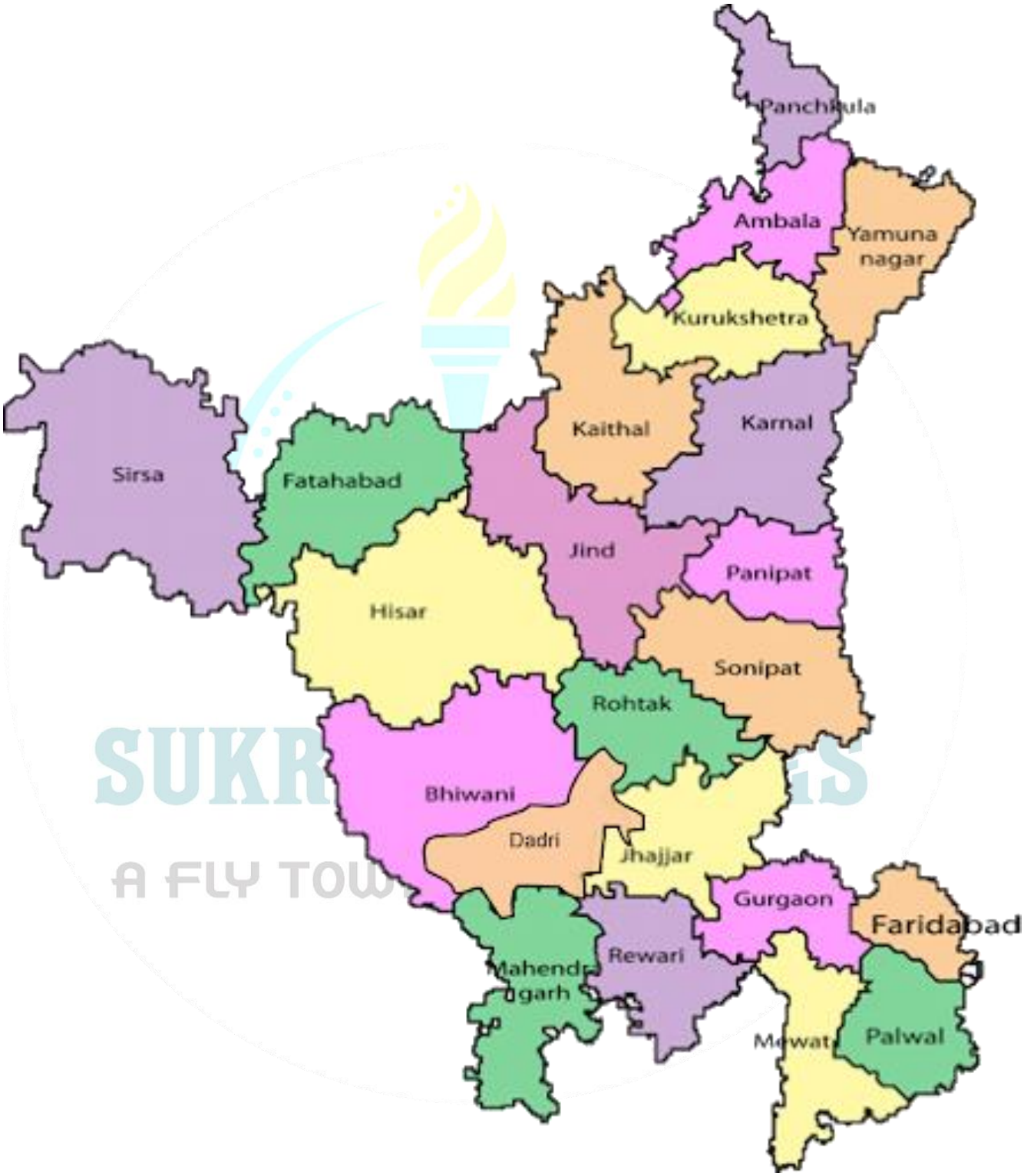
Panchkula
Ambala
Yamuna nagar
Kurukshetra
Kaithal
Karnal
Sirsa
Fatahabad
Jind
Panipat
Hisar
Sonipat
Rohtak
Bhiwani
Dadri
Jhajjar
Gurgaon
Faridabad
Rewari
Mahendragarh
Mewat
Palwal

12) भिवानी :

ये नगर राजपूत राजा नीम ने अपनी रानी भानी के नाम पर बसाया था| इसे मिनी क्यूबा ,वस्त्र नगरी और भारत की छोटी काशी भी कहते है|

13) चरखी दादरी :

लोक-कथाओ के अनुसार ज्यादा दादुर (मेंढक) होने के कारण शहर का नाम दादरी रख दिया गया | शहरी विकास होने के कारण दादरी के पास का एक गाँव 'चरखी' इससे जुड़ गया जिसके कारण शहर का नाम चरखी दादरी पड़ गया। चरखी राजा बिल्हान सिंह फोगाट द्वारा स्थापित किया गया था।

14) हिसार :

इसुकार नाम हिसार का प्राचीन नाम माना गया है। जब फ़िरोज़ शाह तुग़लक ने हिसार की स्थापना की तो उन्होंने इसका नाम हिसार-ए-फिरोज़ा रखा जिसका अर्थ होता है फिरोज़ का किला। इसके चार मुख्य द्वार थे जिनका नाम था लाहौरी गेट ,मोरी गेट,तलाकी गेट और नागोरी गेट | इसे हिसार-ए-फिरोजा, मग्नेट सिटी और स्टील सिटी के नाम से भी जाना जाता है |

15) फतेहाबाद :

बाबा फतेह खान के नाम पर इसका नाम फतेहाबाद पड़ा | इसका प्राचीन नाम एकदार है| इसे हरियाणा का पिंक सिटी भी कहते है

16) सिरसा :

सबसे बड़े वन शिरीष वन के नाम पर इसका नाम सिरसा पड़ा | इसका प्राचीन नाम शैरिषकम है| इसे सरस्वती नगर और वन नगरी भी कहते हैं |

17) महेंद्रगढ़ :

इसका नाम पटियाला के राजा महेन्द्र सिंह के नाम पर पड़ा | इसका प्राचीन नाम कान्नौड है |

SUKRAJ CLASSES
ATM TOWARDS SUCCESS...

18) रेवाड़ी :

रानी रेवती के नाम पर इसका नाम रेवाड़ी पड़ा ।इसका प्राचीन नाम रेवा वाडी है । इसे वीर सिटी और पीतल नगरी भी कहते हैं ।

19) गुरुग्राम :

गुरु द्रोणाचार्य के नाम पर रखा गया । इसका वर्तमान और प्राचीन नाम गुरुग्राम है । इसे गुडगाँव और साइबर सिटी के नाम से भी जाना जाता है ।

20) मेवात :

इसका नाम मेव जाती के नाम पर मेवात पड़ा। इसका प्राचीन नाम सत्यमेवपुरम है ।

21) पलवल :

सिटी पलवल को 'पालससुरु' नाम के एक दानव का नाम मिला, जिसने पांडवों के काल के दौरान इस स्थान पर शासन किया था। इसका प्राचीन नाम अपलवा है । इसे उपलबा, अपबाला और सिटी ऑफ़ कॉटन भी कहा जाता है

22) फरीदाबाद :

फरीदाबाद शहर की स्थापना शेख फरीद ने की थी, जिसे बाबा फरीद के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें के नाम पर इसका नाम फरीदाबाद पड़ा । इसे उद्योग नगरी भी कहा जाता है ।

SUKRAJ CLASSES
A FLY TOWARDS SUCCESS...

हरियाणा के कुछ प्रमुख शहरों के प्राचीन नाम :

- **सफीदों (जींद)** → **सर्पदमन**
- **गोहाना (सोनीपत)** → **गवन मोहाना**
- **हांसी (हिसार)** → **आशी**
  - (इसकी स्थापना 12वीं शती ई. में पृथ्वीराज चौहान के मातामह (नाना) आनंदपाल ने की थी | जॉर्जथॉमस के दौर में हांसी शहर हरियाणा की राजधानी था)
- **महम (रोहतक)** → **महेस्थ**
- **पिंजौर (पंचकूला)** → **पंचमपुर**
- **थानेसर (कुरुक्षेत्र)** → **स्थाणविश्वर**
  - (स्थाण्वीश्वर (स्थाणु + ईश्वर) जो कि शिव का नाम है)
- **जगाधरी (यमुनानगर)** → **युगंधर**
- **कालका (पंचकूला)** → **कालकूट**
- **नारनौल (महेंद्रगढ़)** → **नरराष्ट्र**
- **असंध (करनाल)** → **असन्धिवत**
- **अग्रोहा (हिसार)** → **अग्रोदका**
  - (अग्रोहा की स्थापना द्वापर युग की समाप्ति पर महाराजा अग्रसेन ने की थी)
- **बहादुरगढ़ (झज्जर)** → **शरफाबाद**
  - (बहादुरगढ़ को "गेट वे ऑफ़ हरियाणा" के नाम से भी जाना जाता है)
- **पेहवा (कुरुक्षेत्र)** → **प्रथूदक**
  - (महाराज पृथु द्वारा बसाया गया प्राचीन शहर पृथुदक है)
- **औरंगाबाद (पलवल)** → **प्रक्रतनाक**

SUKRAJ CLASSES
A FLY TOWARDS SUCCESS...